# आप यहां सुरक्षित हैं

टेरे डे होम्स जर्मनी की बाल नीति का
बच्चों के अनुकूल संस्करण

# टेरे डे होम्स जर्मनी की बाल नीति का बच्चों के अनुकूल संस्करण

**आप यहां सुरक्षित हैं!**

**संपादक** – तान्या अबुबकर फुंकनबर्ग

**मूल शब्द** – मिनी श्रीनिवासन

**चित्रण और डिजाइन** – संध्या राडकर

**रूपरेखा** – अथनासिओस मेलिसिस

टेरे डे होम्स डॉएचलैण्ड, रुपपेनकैम्पस्त्र 11ए 49084
ओस्नाब्रुक
**फोन** 0541 / 71 01 –0
**info@tdh.de.www.dhh.de**

# आप यहां सुरक्षित हैं

सोनी ने अपने छोटे भाई मोनू का हाथ पकड़ा और गेट खोला। उसने अन्दर झांका। वहां हर जगह बच्चे थे, जो पढ़ने, फुटबॉल खेलने, पेड़ पर चढ़ने, ड्रांइग करने, झूला लगाने आदि में व्यस्त थे। एक बड़ा लड़का और लड़की उसके पास आए और दोस्ताना तरीके से मुस्कराए। ये युसुफ और तारा थे, "अरे, बच्चों क्या तुम यहां नए हो?" युसुफ ने कहा, "मैंने तुम्हें पहले कभी नहीं देखा।" "हाँ", सोनी ने धीरे से कहा, "हम आज पहली बार आए हैं।" तारा ने कहा," क्या तुम्हें डर लग रहा है, डरने की कोई बात नहीं। यह एक सुरक्षित जगह है। यहां तुम्हें कोई नुकसान नहीं पहुंचा सकता। हमारे पास बाल सुरक्षा नीति है।''

सोनी ने खुद से कहा " यह क्या है मैं जानना चाहती हूं।" पर उसने यह जोर से नहीं कहा।

"इसका मतलब है कि जो लोग यहां काम करते हैं, हमारा सेन्टर देखने आते हैं या यहां मदद करने आते हैं वे यहां किसी भी बच्चे को नुकसान नहीं पहुंचा सकते। हमारे सेन्टर में ऐसा कोई काम नहीं होता जिससे किसी बच्चे को कोई नुकसान हो।" युसुफ ने कहा ।

सोनी में थोड़ी हिम्मत आई, उसने पूछा, "क्या इसके कुछ नियम हैं? क्या यह कहीं लिखे हुए हैं ?"

उसका सोचना सही था। उसके नए दोस्तों ने उसे दिखाया कि यह नियम कहां लिखे हुए हैं। सोनी बहुत खुश थी। जिस फैक्ट्री में वह पहले काम करती थी, वहां अधिक मेहनत न करने पर उसे मार पड़ती थी। अब उसने वहां काम करना छोड़कर फिर से स्कूल जाना शुरू कर दिया था। स्कूल के बाद वह बच्चों के सेन्टर में खेलने और अपने होमवर्क में मदद लेने आई थी और सच में यहां लिखा हुआ था कि कोई भी व्यक्ति उसे नुकसान नहीं पहुंचा सकता है। उसने सोचा, यह तो बहुत अच्छी बात है।

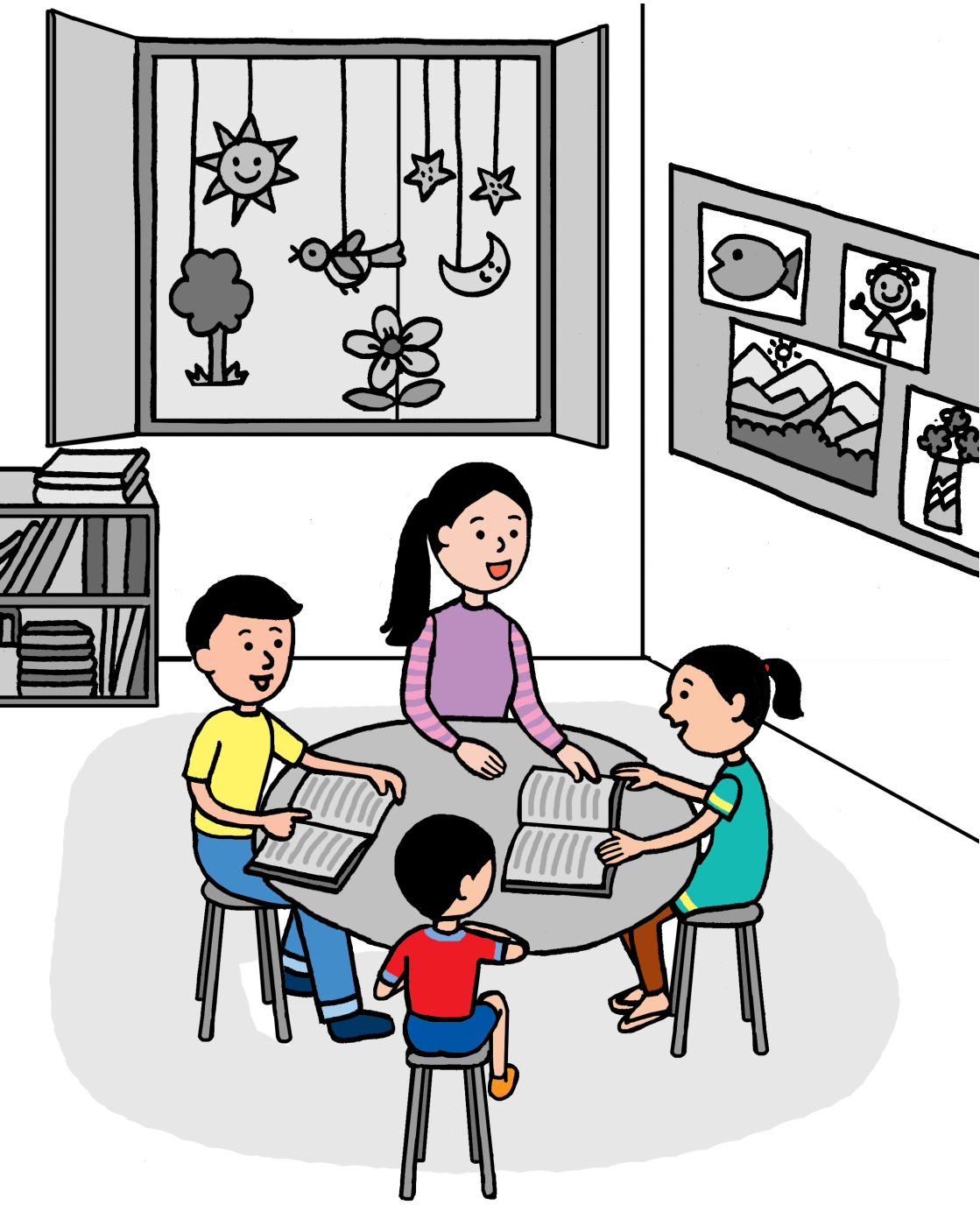

सोनी की तरह आप सभी बच्चे भी ऐसे नियमों की किताब की वजह से सुरक्षित हैं। इस किताब को बाल सुरक्षा नीति कहा जाता है। आपको मालुम है कि आप सबके कुछ अधिकार हैं। ये अधिकार बड़े कागज पर लिखे गए हैं जिसे **बाल अधिकारों का सयुंक्त राष्ट्र समझौता** कहा जाता है। आपकी सरकार के बड़े लोगों ने इस कागज पर हस्ताक्षर किए हैं। इसका मतलब है कि उनको यह सुनिष्चित करना है कि आपको ये सब अधिकार मिलें। यह उनकी जिम्मेदारी है :

**आपको अपना जीवन जीने, नाम और परिवार रखने और स्वस्थ रहने का अधिकार है।**

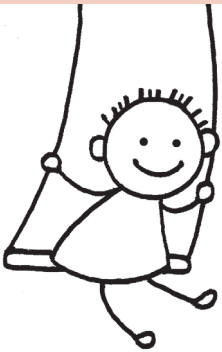

**आपको बढ़ने, सीखने और खेलने का अधिकार है।**

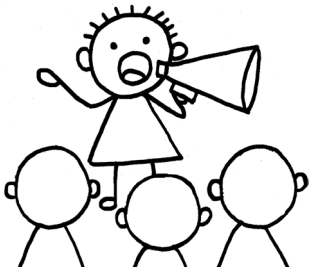

आप जो सोचते हैं, अनुभव करते हैं, उसे कहने और सुने जाने का अधिकार है।

आपको सुरक्षित रहने का अधिकार है।

सोनी ने अपने नए दोस्तों से पूछा "सुरक्षित रहने" का क्या मतलब है?

सुरक्षित रहने का मतलब है कि कोई भी आपको पीट नहीं सकता, या किसी भी तरीके का नुकसान नहीं पहुंचा सकता। सुरक्षा में कुछ और बातें भी शामिल हैं।

सुरक्षित होने का मतलब है कि कोई भी व्यक्ति आपको आपकी मर्जी के बिना नहीं छू सकता या ऐसी कोई चीज़ नहीं दिखा सकता जो आपको असहज महसूस कराए।

आपका मज़ाक उड़ाने या आपका अपमान करने का अधिकार किसी को नहीं है। कोई भी ऐसी बात जिससे आपको अपने बारे में बुरा महसूस हो, ऐसी बात कहने की अनुमति किसी को नहीं है। कोई आपको डरा या धमका नहीं सकता।

सुरक्षित होने का मतलब है कि यदि आपको किसी चीज़ की ज़रूरत है तो बड़े लोगों को आपके लिए वह चीज़ मुहैया करानी चाहिए।

सुरक्षित होने का मतलब है कि कोई भी व्यक्ति आपसे बाल मजदूरी नहीं करा सकता, जिसकी वजह से आप स्कूल न जा पाएं, खेल न पाएं और आपका अच्छी तरह से विकास न हो पाए।

सुरक्षित होने का मतलब है कि कोई भी व्यक्ति आपको धमका या नुकसान नहीं पहुंचा सकता, इन्टरनेट पर या किसी अन्य तरीके से आपको असहज महसूस नहीं करा सकता।

सोनी ने बड़े बच्चों से पूछा, "आप यह सब कैसे जानते हैं?" साथ ही उसे लगा कि कहीं ये सब उसे मूर्ख न समझे।

युसुफ और तारा हंसने लगे और उसे वहां ले गए जहां यह सब लिखा था कि किस प्रकार बच्चों के सेन्टर में काम करने वाले और वॉलेंटियर यह सुनिष्चित करते हैं कि बच्चे सुरक्षित रहें।

"यहां काम करने वाले हर व्यक्ति को आपके प्रति दयालु होना चाहिए और आपकी इज्ज़त करनी चाहिए। वे आपको किसी भी तरह से नुकसान नहीं पहुंचा सकते।"

जब व्यस्क किसी बच्चों या युवाओं के सेन्टर पर काम करना शुरू करते हैं तो उस सेन्टर को चलाने वाले लोग यह सुनिश्चित करते हैं कि वे सब अच्छे व्यक्ति हों, जो बच्चों की मदद करें, उन्हें नुकसान न पहुंचाएं। वे पुलिस की मदद लेते हैं और यह पता लगाते हैं कि ये अच्छे लोग हैं या नहीं, कहीं इन्होंने पहले कभी बच्चों के खिलाफ कोई अपराध तो नहीं किया है।

जब बड़े बच्चे सेंटर पर वॉलेंटियर के तौर पर काम करने आते हैं, आपकी मदद करते हैं, आपके साथ खेलते हैं तो सेंटर चलाने वाले यह सुनिश्चित करते हैं कि वे सब ऐसे युवा हों जिन्होंने कोई बुरा या गलत काम न किया हो। वे आपके साथ अच्छा व्यवहार करें, वे दयालु हों, बच्चों को धमकाने वाले या परेशान करने वाले नहीं हो।

सेंटर पर काम करने वाले हर व्यक्ति को बाल सुरक्षा नीति को पढ़ना,(याद करना) और उस पर हस्ताक्षर करना होगा ताकि वे सब बच्चों को सुरक्षित रखने का वादा कर सकें।

जब बच्चे किसी गतिविधि में भाग ले रहे हों तो उसमें कम से कम दो व्यस्कों का शामिल होना जरूरी है।

सेंटर में काम करने वाले व्यस्क आपसे निजी कारणों से सम्पर्क नहीं कर सकते और न ही आपको अपने घर बुला सकते हैं।

और अगर आप किसी व्यस्क या बड़े बच्चे के बारे में शिकायत करते हैं जो इन नियमों का पालन न कर रहे हों तो सेंटर चलाने वालों को आपकी बात ज़रूर सुननी चाहिए और तुरन्त ही उस पर कार्यवाही करनी चाहिए।

शिकायत? मैं कैसे शिकायत कर सकती हूं? सोनी ने सोचा। मैं तो एक बच्ची हूं।

आप भी शायद ऐसा ही सोच रहे हैं।

आप शिकायत कर सकते हैं– सेंटर के किसी अन्य व्यस्क से, घर में अपने माता–पिता से, या अपने स्कूल के अध्यापक से या किसी अन्य व्यस्क से जिस पर आप भरोसा करते हों, कोई भी जो आपका दोस्त हो, से – शिकायत कर सकते हैं। या आप सेन्टर में नियुक्त बाल सुरक्षा अधिकारी से बात कर सकते हैं, इस व्यक्ति का काम यह सुनिश्चित करना है कि आपकी बात सुनी जाए और आपकी मदद की जाए। इस पुस्तिका के पीछे की तरफ आप उसका नाम, फोन नम्बर और ईमेल आई. डी. लिख सकते हैं।

"किसी ने मुझे बताया कि अगले सप्ताह बड़े बच्चे बस से बड़े शहर जा रहे है"। सोनी ने अचानक कहा "अगर मैं जाऊं तो क्या मेरे लिए यह सुरक्षित होगा?"

"हां", बड़ी लड़की ने कहा, "जब भी आप कहीं बाहर जाते हैं तो उसके लिए भी आपकी सुरक्षा के लिए कुछ नियम हैं।"

सबसे पहली बात आप बाहर यात्रा पर तभी जा सकते हैं जब आपकी मर्जी हो। इसके लिए आपके साथ कोई जबरदस्ती नहीं कर सकता।

और यदि कुछ ही बच्चे जा सकते हैं तो व्यस्कों को आपको अवश्य यह बताना चाहिए कि उन्होंने किस आधार पर बच्चों को चुना है। चुनाव की इस प्रक्रिया में अन्य बच्चों की सहमति अवश्य होनी चाहिए। या बच्चे खुद भी यह फैसला कर सकते हैं कि किसे जाना चाहिए।

आपके माता–पिता या अभिभावकों को यह जरूर पता होना चाहिए कि आप कहां और किसके साथ जा रहे हैं और आपको बाहर भेजने में उनकी सहमति होनी चाहिए ।

आप जहां भी जाएं, पूरे सफर में आपका अच्छे से ध्यान रखा जाना चाहिए ताकि आप सुरक्षित रहें।

अब सच में सोनी बड़े शहर जाने के लिए उत्साहित हो गई। अपने छोटे भाई को वह अपनी दादी के पास घर पर छोड़ देगी। वह बड़े शहर जाएगी, ऊंची इमारतें, अलग–अलग तरह के लोग और बहुत सी नई चीजें देखेगी।

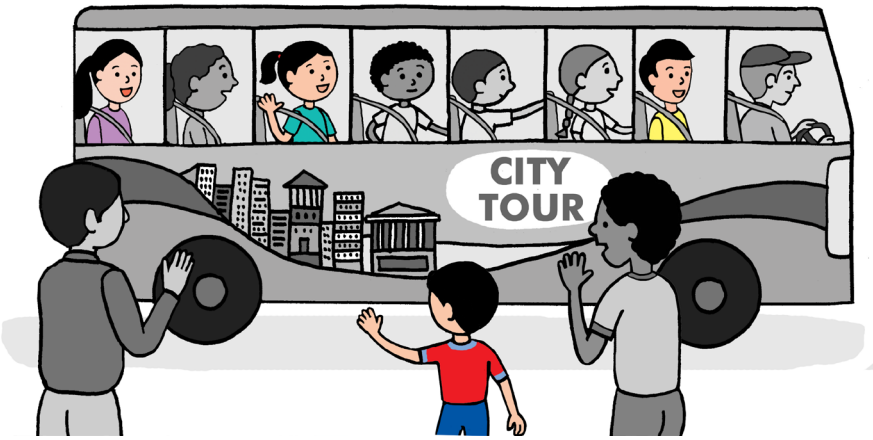

जैसे ही सोनी और उसके नए दोस्त पुस्तकालय के पास पहुंचे तो वहां दरवाजे पर कैमरे के साथ खड़े व्यक्ति ने उनसे पूछा, "क्या मैं आप तीनों की एक फोटो ले सकता हूं"? सोनी को जवाब देने बहुत शर्म आ रही थी पर उसकी नई दोस्त ने कहा, "नहीं", पहले आप हमारे अध्यापक से पूछकर आएं। उसने सोनी को सुरक्षित रहने के एक और नियम के बारे में बताया कि जब भी कोई व्यक्ति आपकी फोटो लेना चाहता है या समाचार पत्र में आपके बारे में कुछ लिखना चाहता है।

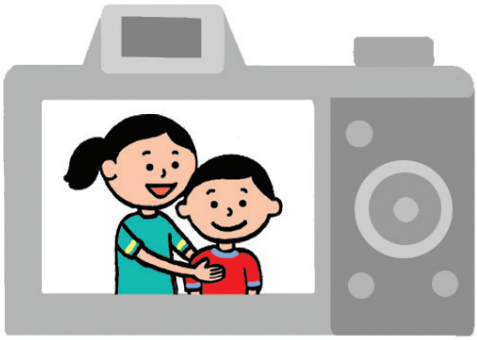

उन्हें आपसे जरूर पूछना चाहिए कि क्या वे आपकी फोटो ले सकते हैं या आपके बारे में लिख सकते हैं। उन्हें आपको यह बताना होगा कि वह फोटो कहां छपेगी या कहां दिखाई जाएगी। और आपकी फोटो या आपकी कहानी के साथ आपका नाम तभी लिखा जा सकता है जब आप इससे लिए सहमत होंगे। यदि आपको यह बात सही न लगे तो आप कभी भी इसके लिए मना कर सकते हैं।

वाह!! इतने सारे नियम ! सोनी को सच में बहुत अच्छा लगा। उसने यह महसूस किया कि इन नियमों के साथ बच्चों के इस सेन्टर में वह और उसका छोटा भाई सचमुच में सुरक्षित रहेंगे। उसने नियमों की किताब का नाम याद कर लिया। बाल सुरक्षा नीति !

# आपको सुरक्षित रहने का अधिकार है।

यदि आप या आपका कोई दोस्त असुरक्षित महसूस करते हैं तो आप बाल सुरक्षा अधिकारी से बात कर सकते हैं, फोन करके या लिख कर बता सकते हैं।

**नाम**

**सम्पर्क विवरण**

टेरे डे होम्स एक बाल अधिकार संगठन है और इसकी बाल सुरक्षा नीति है ।
www.tdh.de/wer-wir-sind/kindesschutz

टेरे डे होम्स के सभी सहयोगी संगठन इन बाल सुरक्षा मानदंडो का पालन करते हैं। इनमें से कुछ को इस पुस्तिका में बच्चों के लिए लिखा गया है।

बच्चों की सुरक्षा के लिए टेरे डे होम्स के मुख्य कार्यालय से सम्पर्क किया जा सकता है।
TanjaFunkenberg,t.funkenberg@tdh.de

terre des hommes
Help for Children in Need